10 जनवरी 2019 से 15 फरवरी 2019 तक 389 आगंतुकों (148 विद्यार्थी (कॉलेज 88, स्कूल 60), 135 स्काउट/गाइड एवं स्काउटर, 45 कृषक, 41 राज्य वन सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी एवं 20 कौशल विकास प्रशिक्षार्थी) ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया

श्री आई. जी. महिला महाविद्यालय बिलाड़ा (जोधपुर) की बी. एस. सी. की छात्राओं का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान भ्रमण (दिनाँक 10/1/19)

श्री आई. जी. महिला महाविद्यालय बिलाड़ा (जोधपुर) की बी . एस. सी. प्रथम वर्ष की 33 छात्राओं के दल ने व्यवस्थापक श्री माधव सिंह सीरवी एवं श्री चेतन प्रकाश सीरवी , व्याख्याता (रसायन विज्ञान) , श्रीमती नीरु गर्ग , व्याख्याता (प्राणी-शास्त्र) , सुश्री रवीना शर्मा, व्याख्याता (वनस्पति विज्ञान) , श्री शंकरलाल सीरवी , प्रयोगशाला सहायक एवं ओमप्रकाश सीरवी (लेखाकार) के साथ दिनाँक 10/1/19 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के प्रारम्भ में विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी। । भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं का अवलोकन किया। यहाँ श्री उमाराम चौधरी ने अनुसंधान गतिविधियों से संबन्धित सूचनाओं की जानकारी दी। श्री चौधरी ने वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए पॉलिथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की। छात्राओं ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी ली। भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला का भी भ्रमण किया जहां श्री सादुलराम देवड़ा , तकनीकी अधिकारी ने पौधशाला संबंधी जानकारी दी। भ्रमण कार्यक्रम में श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी का भी सहयोग रहा।

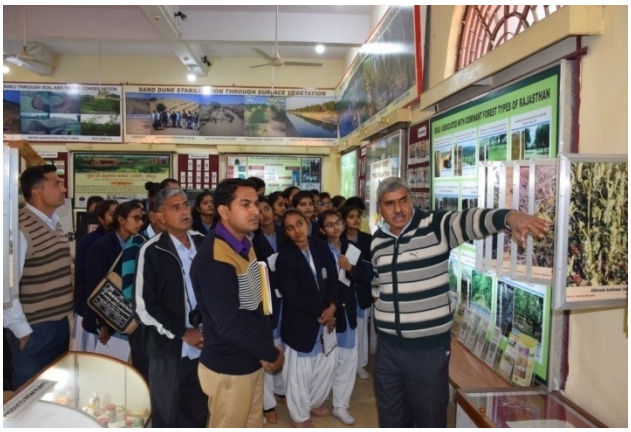

125 स्काउट/गाइड एवं 10 स्काउटर के दल ने किया आफरी का भ्रमण

(दिनांक 20.1.19)

दिनांक 20.1.19 को प्रकृति अध्ययन शिविर के 125 स्काउट/गाइड एवं 10 स्काउटर के दल ने आफरी का भ्रमण कर आफरी की अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की । विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने भ्रमणकारी दल को संस्थान एवं संस्थान के उद्देश्य, कृषि वानिकी, पौध संरक्षण, पारिस्थितिकी, उत्तक संवर्धन, जैव-तकनीकी, अकाष्ठ वनोपज़ , वनसंवर्धन आदि अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी। श्री चौधरी ने संभाषण द्वारा वृक्षों से होने वाले परोक्ष एवं अपरोक्ष लाभ की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बतायी। श्री चौधरी ने पोलीथीन के दुस्प्रभाव की भी चर्चा की।

इसके पश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबन्धित गतिविधियों की जानकारी दी । श्री चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , टिब्बा स्थिरीकरण , जल-प्लावित भूमि का पुनर्वासन , लवणीय भूमि का पुनर्वासन, (घास, वृक्षारोपण) इत्यादि की जानकारी दल को दी।

भ्रमणकारी दल को परिसर में स्थित विभिन्न वृक्ष प्रजातियों की भी जानकारी दी गयी । भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला का भी भ्रमण किया जहां श्री उमाराम चौधरी ने मदरबेड , कंटेनर , रूट-ट्रेनर , औषधीय पौधों के जर्मप्लाज्म बेंक में औषधीय पौधों के बारे में बताया । भ्रमणकारी दल ने धुंध कक्ष का भी अवलोकन किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी का भी सहयोग रहा।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड
नेशनल ग्रीन कोर
राष्ट्रीय प्रकृति अध्ययन शिविर

कृषि विज्ञान केंद्र, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI), जोधपुर से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) भ्रमण

(दिनांक 22/01/2019)

कृषि विज्ञान केंद्र , केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान (CAZRI), जोधपुर से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के 20 प्रशिक्षणार्थियों ने दिनांक 22/01/19 को विषय विशेषज्ञ (उद्यान) डॉ. हरीदयाल के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (एरिड फॉरेस्ट रीसर्च इंस्टीट्यूट AFRI) का भ्रमण किया। दल ने सर्वप्रथम संस्थान की हाई-टेक नर्सरी का भ्रमण किया। यहाँ नर्सरी प्रभारी , श्री सादुलराम देवड़ा ने नर्सरी के लिए पौधे बनाने के लिए आवश्यक तकनीकों , पौधों के रखरखाव , बीज संग्रहण एवं विभिन्न प्रजातियों के वृक्षारोपण से जुड़ी जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षणार्थियों ने मिस्ट चेम्बर , कम्पोस्ट

पिट, ग्रीन एवं शेड हाउस आदि का भी अवलोकन किया एवं औषधीय पौधे के जर्मप्लाज्म बेंक का भ्रमण कर विभिन्न औषधीय पौधों एवं इनके संवर्धन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण किया, जहां तकनीशियन, श्रीमती मीता सिंह तोमर ने उन्हें संस्थान द्वारा विकसित महत्वपूर्ण तकनीकों और अनुसंधान उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। दल ने फारमर्स गेलेरी का अवलोकन कर वहाँ हिन्दी में प्रदर्शित जानकारियाँ जिनमें रतनजोत की खेती , राजस्थान की कृषि-वानिकी प्रणालियों की जानकारी एवं राजस्थान के विभिन्न वृक्षों के अलग अलग उपयोग से जुड़े मानकों के बारे में जानकारी शामिल है, भी ली ।

इसके बाद दल ने उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहां वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सरिता आर्य ने उन्हें उत्तक संवर्धन की विधि, इसके आर्थिक लाभों एवं ऐसी प्रजातियों में इसके महत्व के बारे में जानकारी दी , जिनका संवर्धन बीज के द्वारा अत्यंत कठिन है । दल ने पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग की आईसीपीएमएस प्रयोगशाला का भ्रमण कर ICPMS (Inductively Coupled Photo Mass Spectrometry) मशीन के द्वारा अनेकानेक तत्वों का एक साथ माइक्रोमिलीलीटर स्तर पर आकलन करने की विधि के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही मृदा एवं जल परीक्षण से जुड़े अपने प्रश्नों पर भी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री एन. के. लिम्बा से जानकारी प्राप्त की।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों का आफरी भ्रमण

(दिनांक 28.1.19)

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्राणी-शास्त्र प्रभाग के 13 विद्यार्थियों ने डॉ. एस. आई. अहमद एवं डॉ. आयशा कमर की अध्यक्षता में दिनांक 28.1.2019 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया।
सर्वप्रथम संस्थान निदेशक डॉ. एम. आर. बालोच ने दल का संस्थान में स्वागत किया और सभी विद्यार्थियों ने अपना संक्षिप्त परिचय दिया । संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक (शोध) डॉ. रंजना आर्य ने दल को सम्बोधित करते हुए अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ्ने के लिए उन्हें प्रेरित भी किया।

इसके बाद वैज्ञानिक-एफ , डॉ. तरुण कान्त ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के द्वारा विद्यार्थियों को संस्थान की अनुसंधान उपलब्धियों से रूबरू करवाया । इसके बाद संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों के सवालों के जबाब भी दिये।

इसके बाद दल ने संस्थान की उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहां उन्हें डॉ. तरुण कान्त ने उत्तक संवर्धित पौधे बनाने की विधि , उनके रखरखाव एवं विभिन्न प्रजातियों के उत्तक संवर्धन की विधियों के बारे में जानकारी दी। दल ने बायो-कंट्रोल प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया एवं वहाँ खेजड़ी मर्तयता के जैविक , अजैविक कारकों एवं इसके समाधान के बारे में जानकारी ली।

दल ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर अनुसंधान गतिविधियों से संबन्धित विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया , यहाँ प्रभागाध्यक्ष , विस्तार प्रभाग श्री उमाराम चौधरी (भा.व.से.) ने संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों से संबन्धित सूचनाओं आदि की जानकारी दी।

जी. डी. मेमोरियल कॉलेज, जोधपुर के बी.एस.सी. के विद्यार्थियों का आफ़री भ्रमण दिनांक 31.1.19

दिनांक 31.1.19 को जी. डी. मेमोरियल कॉलेज , जोधपुर के बी.एस.सी. के 18 विद्यार्थियों ने संकाय सदस्य डॉ. पी.एस. सिंघवी, डॉ. डी. आर. बोहरा एवं डॉ. ऋतु पुरोहित के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के प्रारम्भ में निदेशक श्री मानाराम बालोच , भा.व.से. ने संबोधित किया । संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. आई. डी. आर्य ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. , प्रभागाध्यक्ष , विस्तार ने किया । इसके पश्चात विद्यार्थियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं, आण्विक जीव-विज्ञान, उत्तक संवर्धन, ICPMS इत्यादि का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की । इसके पश्चात विद्यार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित संस्थान की शोध संबंधी सूचनाओं का अवलोकन किया। यहाँ पर श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने विद्यार्थियों को वृक्षों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ की जानकारी देकर वृक्ष एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बतायी। इसके बाद विद्यार्थियों के दल ने संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण किया।

cute's Jurisdiction
RAJASTHAN
GUJARAT

केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा (CASFOS) कोयम्बटूर के 41 राज्य वन सेवा प्रशिक्षणार्थियों ने किया आफरी भ्रमण (दिनाँक 5/2/2019)

दिनाँक 5/2/2019 को केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा कोयम्बटूर के 41 राज्य वन सेवा प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर वानिकी अनुसंधान की जानकारी प्राप्त की । संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच, भा. व. से. ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए साझा वन प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए संस्थान के क्षेत्राधिकार , वैज्ञानिकों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करने इत्यादि की जानकारी दी। संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. आई . डी. आर्य ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की । इसके बाद संस्थान के वैज्ञानिकों/अधिकारियों तथा प्रशिक्षणार्थियों के मध्य प्रश्नोत्तर के माध्यम से परस्पर संवाद के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जिसमे संस्थान की

तरफ से निदेशक श्री मानाराम बालोच, समूह समन्वयक डॉ. आई. डी. आर्य, वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह, डॉ. यू. के. तोमर ने विभिन्न प्रश्नों के उत्तर से प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। भ्रमणकारी दल को संस्थान का प्रचार प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गया । कार्यक्रम का संचालन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा. व. से. ने किया । तत्पश्चात प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर वानिकी अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशाला में श्री आतिफ़ इकबाल , उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला में डॉ. सरिता आर्या, ICPMS में श्री एन. के. लिम्बा, वन संरक्षण में श्री कुलदीप शर्मा ने भ्रमणकारी दल को जानकारी उपलब्ध करायी।

इसके बाद प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया । यहाँ श्री उमाराम चौधरी ने वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं की जानकारी भ्रमणकारी दल को करायी । यहाँ पर श्री चौधरी ने प्रशिक्षणार्थियों को संभाषण द्वारा वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बतायी। श्री चौधरी ने पॉलिथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की ।

प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान की प्रायोगिक/उच्च तकनीक प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहां श्री रमेश मालपानी , उ.व.स. ने पौधशाला के विभिन्न आयामों की जानकारी भ्रमणकारी दल को करायी । पौधशाला भ्रमण में श्री सादुलराम देवड़ा , तकनीकी अधिकारी का भी सहयोग रहा । भ्रमण कार्यक्रम में विस्तार विभाग के श्री धानाराम , तकनीकी अधिकारी का भी सहयोग रहा।

ए. बी. एम. सेकंडरी स्कूल, जोधपुर के विद्यार्थियों का आफरी भ्रमण

(दिनांक 7.2.19)

दिनांक 7.2.19 को ए. बी. एम. सेकंडरी स्कूल , जोधपुर के कक्षा 1 से 6 एवं 9 तक के 60 विद्यार्थियों ने डॉ. शैलजा जोशी, शिक्षिका (विज्ञान) एवं 7 स्टाफ के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आफरी के निदेशक श्री मानाराम बालोच , भा.व.से. ने आफरी के शोध कार्यों की चर्चा करते हुए बेर , उत्तक संवर्धन, नर्सरी, खेजड़ी, केर के बारे में जानकारी तथा गोडावन , चिंकारा तथा कुरजा तथा कुरजा के प्रवास (migration) की जानकारी दी। श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. प्रभागाध्यक्ष विस्तार ने विद्यार्थियों को आफरी के बारे में बताया तथा जंगल क्या है तथा वृक्षों से होने वाले परोक्ष एवं अपरोक्ष लाभ की जानकारी दी। श्री चौधरी ने प्रकृति कार्यक्रम की भी चर्चा की । इसके बाद विद्यार्थियों ने संस्थान की आण्विक जैव , उत्तक संवर्धन, ICPMS, वन संरक्षण प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद विद्यार्थियों

ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने विद्यार्थियों को वहाँ प्रदर्शित सूचनाओं की जानकारी दी ।

इसके बाद विद्यार्थियों ने संस्थान की प्रयोगिक पौधशाला का भ्रमण किया जहां श्री उमाराम चौधरी ने उन्हें नर्सरी की विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। नर्सरी भ्रमण में श्री सादुलराम देवड़ा , तकनीकी अधिकारी ने भी सहयोग किया एवं नर्सरी गतिविधियों संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी । भ्रमण कार्यक्रम में तकनीकी अधिकारी श्रीमती कुसुमलता परिहार का सहयोग रहा। .

विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र
EXTENSION AND INTERPRETATION CENTRE
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR-342 005

शेर-ए-कश्मीर युनीवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइन्सेज एंड टेक्नोलोजी ऑफ कश्मीर, बेनिहामा के बी.एस.सी. (फोरेस्ट्री) के विद्यार्थियों का आफरी भ्रमण (दिनांक 7/2/19)

दिनांक 7/2/19 को शेर-ए-कश्मीर एग्रीकल्चरल साइन्सेज एडं टेक्नोलोजी ऑफ कश्मीर, फेकल्टी ऑफ फोरेस्ट्री बेनिहामा केम्पस, बेनिहामा के बी.एस.सी. फोरेस्ट्री , तृतीय वर्ष के 24 विद्यार्थियों के दल ने असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तारीक अहमद एवं डॉ. खुर्शीद अहमद के साथ शुष्क वन अनुसंधान , जोधपुर का भ्रमण कर वानिकी अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के प्रारम्भ में श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. प्रभागाध्यक्ष, विस्तार ने पावर–पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. जी. सिंह ने विद्यार्थियों के प्रश्न-उत्तर के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासा (टिब्बा स्थिरीकरण) इत्यादि का समाधान किया। इसके बाद भ्रमणकारी दल ने उत्तक संवर्धन , आण्विक जैव-विज्ञान प्रयोगशाला , ICPMS, वन संरक्षण इत्यादि प्रयोगशाला का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद विद्यार्थियों के दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्री धानाराम , तकनीकी अधिकारी का सहयोग रहा।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), चित्तौड़गढ़, के 45 कृषकों का आफरी भ्रमण (दिनाँक 15/2/2019)

कृषि प्रोद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) , चित्तौड़गढ़, से 45 कृषकों के अन्त:राज्यीय कृषक भ्रमण दल ने भ्रमण दल के प्रभारी श्री ओंकारलाल सुथार, कृषि पर्यवेक्षक के साथ दिनाँक 15/2/2019 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में कृषकों ने संस्थान की मृदा एवं जल विश्लेषण प्रयोगशाला, उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला एवं वन संरक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण कर शोध गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी। तत्पश्चात कृषकों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित विभिन्न शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं एवं वनोत्पाद इत्यादि की जानकारी दी। श्री चौधरी ने वहाँ संभाषण द्वारा वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई। श्री चौधरी ने पॉलिथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की। भ्रमण कार्यक्रम में श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी का सहयोग रहा। भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला का भी भ्रमण कर पौधशाला का अवलोकन किया।

विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र